ROLE OF TSAR ALEXANDER II (PART-2)

FOR:U.G.PART-2,PAPER-4
BY:ARUN KUMAR RAI
ASST.PROFESSOR
P.G.DEPT.OF HISTORY
MAHARAJA COLLEGE
ARA.

प्रशासनिक सुधार

- प्रशासन के क्षेत्र में केंद्रीकरण एंव निरंकुशता के स्थान पर अलेक्जेंडर द्वितीय ने **विकेंद्रीकरण** एवं **लोकतांत्रिक पद्धति** पर जोर दिया। जार ने विभिन्न प्रांतों में जिला प्रशासन के लिए **जिला परिषदों (District Zemstvo)** का संगठन किया जिसके सदस्यों में सभी वर्गों के प्रतिनिधि निर्वाचित होकर आते थे। जिला परिषदों के ऊपर **प्रांतीय परिषद(Provincial Zemstvo)** थे और उनके सदस्यों का निर्वाचन जिला परिषद को करना थां।

प्रशासनिक सुधार

इन निर्वाचित परिषदों के निम्नलिखित प्रमुख कार्य थे-

1. सड़कों एवं पूलों का जीर्णोद्धार करना
2. शिक्षा एवं सफाई की व्यवस्था करना
3. दुर्भिक्ष के समय जनता की सहायता करना
4. स्थानीय झगड़ों का समाधान करना। इसके लिए इन्हें **शांति न्यायाधीशों(Justices of the peace)** का निर्वाचन करना था
5. स्थानीय जनता पर कर लगाना

प्रशासनिक सुधार

- इसी तरह *1870 ई.* में नगर परिषद में भी सभी वर्गों के निर्वाचित प्रतिनिधियों को नगर शासन की जिम्मेवारी दी गई। इस तरह लोकतांत्रिक करण के लिए कदम उठाए गये। परंतु प्रांत में गवर्नर की नियुक्ति जार के हाथों में ही बनी बनी रही और प्रांत के अंदर परिषदों के निर्णय पर उसके ***वीटो*** का अधिकार था । इन परिषदों के आय के स्रोत भी सीमित थे। केंद्रीय शासन जार के कब्जे में बरकरार रहा।

न्यायिक सुधार

- रूस की न्याय व्यवस्था दोषपूर्ण थी। मुकदमे दीर्घकालीन होना, आवश्यक बातों को विस्तार पूर्वक लिखा नहीं जाना ,मुकदमे गुप्त होना, वकीलों की सुविधा प्राप्त ना होना तथा जूरी प्रणाली की अनुपस्थिति इसके प्रमुख दोष थे। न्याय व्यवस्था में अराजकता और भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए जार ने ब्रिटेन एंव फ्रांस की न्याय व्यवस्था के आधार पर *1862 ई.* परिवर्तन लाया जो निम्न वत है

1. न्यायपालिका को कार्यपालिका से पृथक कर दिया गया

न्यायिक सुधार

2. मुकदमे की सुनवाई जूरी द्वारा होने लगी
3. जज स्वतंत्र कर दिए गए। जजों के पदच्युत करने का एकमात्र अधिकार अदालतों को दे दिया गया
4. वकीलों की सहायता की भी व्यवस्था कर दी गई
5. छोटे-छोटे अभियोगों की सुनवाई के लिए ***जस्टिस ऑफ पीस***(Justice of Peace) के नाम के अधिकारियों की नियुक्ति की गयी।

न्यायिक सुधार

- 6. कानून का संग्रह कर उसे लिखित रूप दे दिया गया
- 7. स्थानीय शासन की भी व्यवस्था की गई ।ग्रामों में ग्राम पंचायतों (***मीरो***) की स्थापना की गई ।इसी प्रकार प्रत्येक जिले एवं प्रांत में निर्वाचित कौंसिलों की नियुक्ति की गई।
- 8.मुकदमे खुले रुप में(Open trials) होने लगे।

सेना में सुधार

- रूस की सेना में अनुशासन का अभाव एंव घोर अव्यवस्था थी। क्रीमिया की हार ने इसके पुनर्संगठन की आवश्यकता को उजागर कर दिया। जार ने सेना के पुनर्संगठन के लिए ***20 वर्ष*** तक के युवकों के लिए सैनिक सेवा अनिवार्य कर दी ।इसके लिए ***1874 ईसवी*** में उसने प्रत्येक व्यक्ति के लिए कम से कम ***6 वर्षों*** तक सैनिक सेवा अनिवार्य कर दी। सेना में वर्ग भेद नहीं था परंतु अधिकारियों के पदों पर कुलीन वर्ग का वर्चस्व बना रहा। इसी के साथ सेना को आधुनिक अस्त्र-शस्त्रों से सुसज्जित किया गया और सैनिकों के प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए गये।

शिक्षा में सुधार

- जार ने शिक्षा के विकास को आवश्यक समझकर इसके प्रसार पर जोर दिया। उसने विश्वविद्यालयों पर लगे प्रतिबंधों को हटा दिया एवं विज्ञान की शिक्षा पर जोर दिया। उसने स्त्री शिक्षा के विकास पर विशेष ध्यान दिया और उनके लिए प्रशिक्षण विद्यालयों की स्थापना की। *1872 ई.*में उसने लड़कियों के लिए एक ***चिकित्सा विद्यालय*** की स्थापना की।यूरोप के अन्य देशों में भी उसने रूसी छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया तथा पुस्तकों एवं पत्रिकाओं के प्रकाशन को प्रोत्साहित किया।

औद्योगिकरण

- रूस के पिछड़ापन में विज्ञान एंव उद्योग का उचित विकास का ना होना भी एक कारण था। सेना की हार के लिए भी इसे जिम्मेदार समझा जाता था अतः जार ने औद्योगिकरण के लिए काफी प्रयास किया। इसके लिए उसने *1861* ई.में एक बैंक की स्थापना की जो उद्योगों के लिए ऋण उपलब्ध करा सके। इसके साथ ही कल कारखानों के लिए बाहर से यंत्र मंगाए गए। इसी के साथ वैज्ञानिकों को भी प्रोत्साहित किया गया।

औद्योगिकरण

- नई रेलवे लाइनें बिछाई गई और व्यापारी जहाजों के निर्माण में भी तेजी लाई गई। इसी के साथ डाक-तार व्यवस्था को भी पुनर्संगठित किया गया और *1857 ई.* में देश के अंदर डाक टिकट आरंभ किया और *1864 ई.* में विदेशी डाक टिकट की भी सुविधा आरंभ की गई। इसी के साथ तार संदेश के लिए तार लाइनों का जाल बिछाया गया और इसके उपकरण रूस में ही निर्मित किए जाने लगे।

मूल्यांकन

- जार के इन सुधारों के जरिए रूस के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक सभी क्षेत्रों में पर्याप्त विकास हुआ उसने लोकतंत्र और औद्योगिककरण का विकास करके रूस को आधुनिक बनाने में योगदान दिया। उपयुक्त सुधारों के कारण ही अलेग्जेंडर II ***मुक्तिदाता जार (Tsar,the Liberator)*** कहलाने लगा।

Tsar Alexander II

Picture source-Wikipedia